



खण्ड-‘क’ (अपठित गद्यांश)

प्र0-1 उपर्युक्त गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए:- (4)

डाकिया घर-घर चिट्ठियाँ पहुँचाता है। वह खाकी वरदी और सिर पर टोपी पहनता है। वह सुबह तैयार होकर अपने क्षेत्र के डाकघर में जाता है। वह ‘पत्र-पेटी’ से पत्र निकालकर डाकघर ले जाता है। डाकिया बड़ा दयालु होता है। वह अनपढ़ लोगों के पत्र भी लिख देता है। वह अपना काम पूरी सजगता से करता है।

- (1) घर-घर चिट्ठिया कौन पहुँचाता है?
- (2) डाकिया कैसी वरदी पहनता है?
- (3) डाकिया पत्र कहाँ से निकालकर डाकघर ले जाता है?
- (4) डाकिया किन लोगों के पत्र लिखता है?

खण्ड-‘ख’ (लेखन क्षमता)

प्र0-2 ‘सूरज’ नामक पाठ से चार लाइन की कविता लिखिए। (3)

खण्ड-‘ग’ (व्याकरण)

प्र0-3 भाषा के कितने रूप होते हैं लिखिए? (1)

प्र0-4 बिन्दी वाले दो शब्द लिखिए। (1)

प्र0-5 वर्ण कितने प्रकार के होते हैं? (1)

खण्ड-‘घ’ (प्रश्नोत्तर)

प्र0-5 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (4)

क- सूरज किस दिशा से निकलता है?

ख- मीठू कहाँ रहता था?

ग- खुली हवा में भागना दौड़ना क्यों जरूरी है?

घ- सही उत्तर पर सही का निशान लगाओ-

1- सुबह सूरज का रंग कैसा होता है?

क- पीला

ख- लाल

ग- नारंगी

2- उड़ते समय मीठू ने मैदान में क्या देखा?

क- खिलौना

ख- गुब्बारा

ग- आम

खण्ड-‘ड’ (शब्द-कोष)

प्र0-6 निम्न शब्दों के अर्थ लिखिए- (4)

मनपसंद, गृह-कार्य, उपाय, रसीला, तीखी, पूरब, दमकता, धरती

प्र0-7 वाक्य बनाइए:- (2)

पीपल, सुस्ती